कहानी

नन्हे आरव की ईमानदारी ने लौटाई मुस्कान

स्कूल की छुट्टी होने के बाद दस वर्षीय आरव रोज़ की तरह अपने दोस्तों के साथ घर लौट रहा था. रास्ते में पार्क के पास उसकी नज़र सड़क किनारे पड़े एक भूरे रंग के बटुए पर पड़ी. उसने बटुआ उठाया तो देखा कि उसमें काफी पैसे, कुछ जरूरी

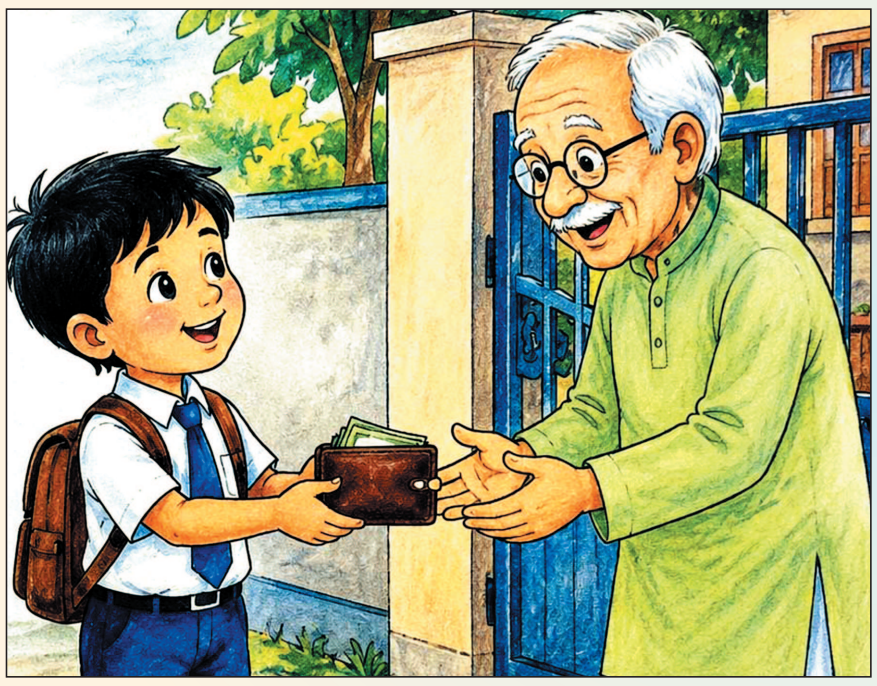

कागज़ और पहचान पत्र रखे हुए थे. उसके दोस्त बोले, 'इतने सारे पैसे हैं, चलो इससे खिलौने और आइसक्रीम खरीद लेते हैं.' लेकिन आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'यह पैसा हमारा नहीं है. जिसे यह खोया होगा, वह बहुत परेशान होगा.'

आरव ने बटुए को ध्यान से देखा. उसमें एक पहचान पत्र था, जिस पर एक बुजुर्ग व्यक्ति का नाम और पता लिखा था. आरव ने तुरंत फैसला किया कि वह बटुआ उसके असली मालिक तक पहुंचाएगा. वह अपने दोस्तों के साथ उस पते पर पहुंचा. वहां एक बुजुर्ग व्यक्ति बेहद चिंतित बैठे थे. जैसे ही उन्होंने अपना बटुआ देखा, उनके चेहरे पर खुशी लौट आई. बुजुर्ग ने बताया कि वह अपनी पेंशन निकालकर घर लौट रहे थे. रास्ते में अनजाने में उनका बटुआ गिर गया था. उसमें पूरे महीने का खर्च और जरूरी दस्तावेज थे. बटुआ खोने के बाद उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि अब क्या करें. आरव की ईमानदारी ने उनकी बड़ी परेशानी दूर कर दी.

बुजुर्ग ने खुश होकर आरव को इनाम देने की कोशिश की, लेकिन उसने विनम्रता से मना कर दिया. उसने कहा, 'अंकल, मैंने सिर्फ अपना फर्ज निभाया है. अगर मेरी कोई चीज खो जाती, तो मैं भी चाहता कि कोई उसे मुझे वापस लौटा दे.'

यह बात पूरे मोहल्ले में फैल गई. अगले दिन स्कूल की प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य ने सभी बच्चों के सामने आरव की ईमानदारी की सराहना की. उन्होंने कहा, 'अच्छे अंक हासिल करना महत्वपूर्ण है, लेकिन अच्छा इंसान बनना उससे भी ज्यादा जरूरी है. ईमानदारी वह गुण है, जो इंसान को जीवनभर सम्मान दिलाता है.'

आरव के माता-पिता को भी अपने बेटे पर गर्व हुआ. उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा उसे सच बोलना, दूसरों की मदद करना और सही रास्ता चुनना सिखाया है. आरव ने बताया कि उसके दादा-दादी अक्सर उसे ईमानदारी और अच्छे संस्कारों की कहानियां सुनाते थे. उन्हीं कहानियों से उसे सीख मिली कि कभी भी किसी की चीज़ पर अपना अधिकार नहीं जमाना चाहिए.

इस घटना के बाद स्कूल के कई बच्चों ने भी संकल्प लिया कि वे हमेशा सच का साथ देंगे, किसी की खोई हुई वस्तु मिलने पर उसे उसके मालिक तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे और जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे. शिक्षकों ने बच्चों को समझाया कि छोटे-छोटे अच्छे काम समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं. कुछ दिनों बाद नगर के एक सामाजिक कार्यक्रम में आरव को 'ईमानदार बाल मित्र' सम्मान से सम्मानित किया गया.

मंच पर मौजूद सभी लोगों ने उसकी जमकर तालियां बजाकर हौसला बढ़ाया. आरव ने अपने छोटे से भाषण में कहा, 'ईमानदारी सबसे बड़ी दौलत है. पैसे तो कभी भी कमाए जा सकते हैं, लेकिन एक बार विश्वास टूट जाए तो उसे वापस पाना बहुत मुश्किल होता है.'

आरव की यह छोटी-सी पहल पूरे शहर के लिए एक मिसाल बन गई. लोगों ने महसूस किया कि यदि बच्चे बचपन से ही अच्छे संस्कार अपनाएं, तो वे बड़े होकर जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकते हैं. आज के समय में, जब अक्सर लालच और स्वार्थ की बातें सुनने को मिलती हैं, ऐसे बच्चों की ईमानदारी समाज में उम्मीद की नई किरण जगाती है.

सीख

ईमानदारी, सच्चाई और अच्छे संस्कार ही इंसान की सबसे बड़ी पहचान हैं. जो हमेशा सही रास्ता चुनता है, उसे जीवन में सम्मान और विश्वास दोनों मिलते हैं.

बिंदु मिलाओ

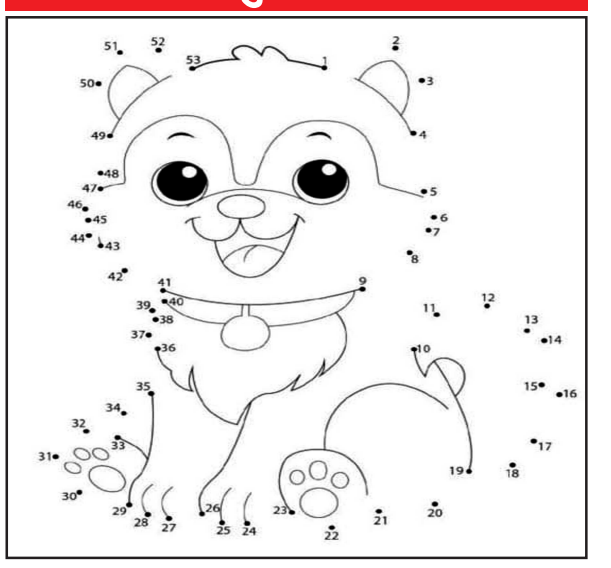

रंग भरो

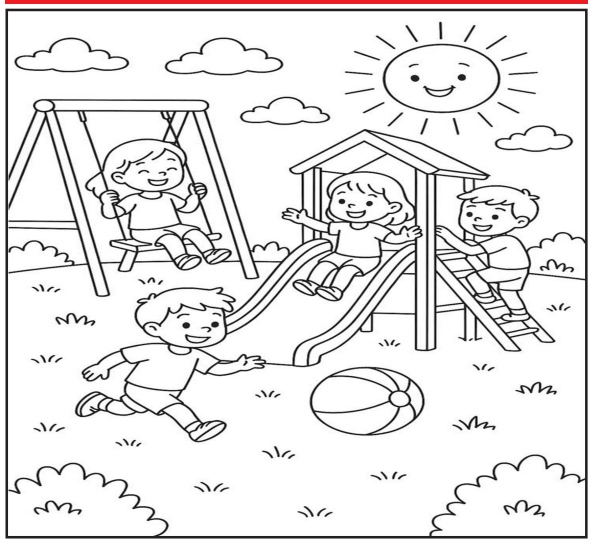

प्रेरक प्रसंग

समय का मूल्य समझाने वाले डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

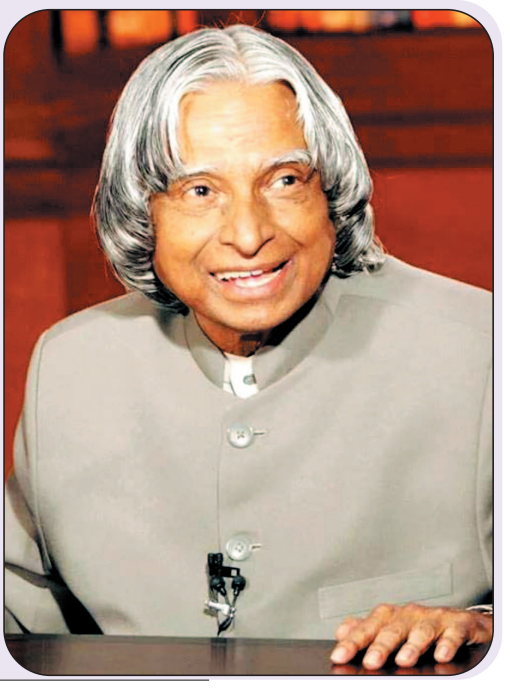

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** अपने अनुशासन और समय के प्रति सम्मान के लिए प्रसिद्ध थे. एक बार उन्हें एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था. कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होना था.

डॉ. कलाम निर्धारित समय से कुछ मिनट पहले ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए. लेकिन आयोजकों की तैयारियां पूरी नहीं हुई थीं, इसलिए कार्यक्रम समय पर शुरू नहीं हो सका. डॉ. कलाम ने आयोजकों से मुस्कुराते हुए कहा, 'यदि हम समय का सम्मान नहीं करेंगे, तो सफलता भी हमसे दूर होती जाएगी. उन्होंने बताया कि जीवन में बड़ी उपलब्धियां पाने के लिए प्रतिभा के साथ-साथ समय का सही उपयोग करना भी आवश्यक है. उन्होंने स्वयं अपने पूरे जीवन में समय की पाबंदी को सबसे बड़ी आदत बनाया और हर कार्य तय समय पर पूरा करने का प्रयास किया.

कार्यक्रम शुरू होने के बाद उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति समय की कीमत समझ लेता है, वह अपने सपनों को साकार करने की दिशा में सबसे बड़ा कदम उठा लेता है. उनके शब्दों ने वहां उपस्थित सभी लोगों को गहराई से प्रेरित किया. कई विद्यार्थियों ने उसी दिन से समय का सदुपयोग करने का संकल्प लिया. डॉ. कलाम का मानना था कि सपने वे नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वे होते हैं जो हमें सोने नहीं देते. उनका पूरा जीवन अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण है.

हिमालय : दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत

हिमालय केवल दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला ही नहीं, बल्कि एशिया की जीवनरेखा भी है. यह अपनी बर्फ से ढकी चोटियों, विशाल हिमनदों, दुर्लभ वन्यजीवों और धार्मिक महत्व के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है. हिमालय से निकलने वाली नदियां करोड़ों लोगों के जीवन और खेती का आधार हैं.

हिमालय पर्वत श्रृंखला लगभग 2,400 किलोमीटर लंबी है और यह भारत, नेपाल, भूटान, चीन तथा पाकिस्तान तक फैली हुई है. इसका नाम संस्कृत के दो शब्दों 'हिम' (बर्फ) और 'आलय' (घर) से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है 'बर्फ का घर'. इसी कारण इसकी अधिकांश ऊंची चोटियां सालभर बर्फ से ढकी रहती हैं. दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) हिमालय में स्थित है. इसके अलावा कंचनजंगा, नंदा देवी, अन्नपूर्णा और धौलागिरि जैसी कई प्रसिद्ध चोटियां भी इसी पर्वत श्रृंखला का हिस्सा हैं. भारत की सबसे ऊंची चोटी कंचनजंगा (8,586 मीटर) सिक्किम में स्थित है. हिमालय को एशिया का 'जल टावर' भी कहा जाता है, क्योंकि यहां हजारों हिमनद (ग्लेशियर) मौजूद हैं. इन्हीं से गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सिंधु और सतलुज जैसी प्रमुख नदियों का उद्गम होता है. ये नदियां करोड़ों लोगों को पेयजल, सिंचाई और बिजली उपलब्ध कराती हैं.

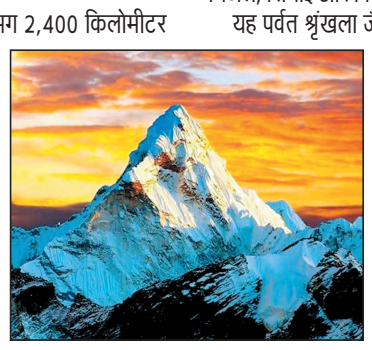

यह पर्वत श्रृंखला जैव विविधता का भी खजाना है. यहां हिम तेंदुआ, लाल पांडा, कस्तूरी मृग, हिमालयी मोनाल और काला भालू जैसे दुर्लभ जीव पाए जाते हैं. हिमालय की वादियों में अनेक औषधीय पौधे और दुर्लभ वनस्पतियां भी मिलती हैं. हिमालय भारतीय संस्कृति और आस्था का भी महत्वपूर्ण केंद्र है. केदारनाथ, बद्रीनाथ, अमरनाथ, कैलाश मानसरोवर और हेमकुंड साहिब जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थल इसी क्षेत्र में स्थित हैं. यही कारण है कि हिमालय को प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम माना जाता है.

भूल भुलैया

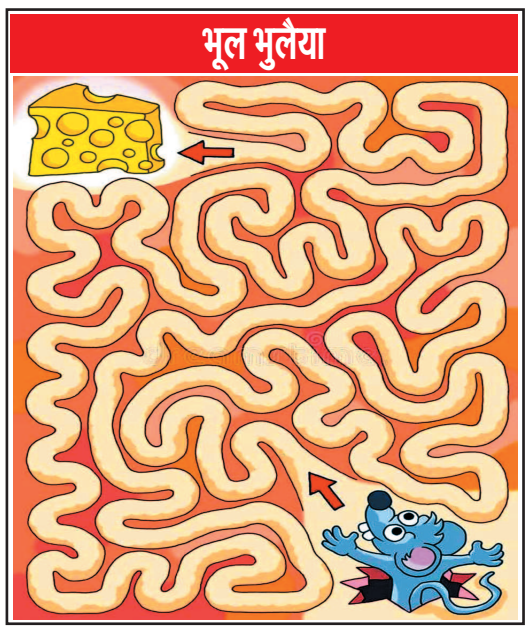

कविता

किताबें हमारी सच्ची मित्र

किताबें देतीं नया उजियारा,
ज्ञान का खोलें वे द्वार हमारा.
हर पन्ने में छिपी कहानी,
बढ़ती जाती नई निशानी.

इनसे मिलता सच्चा ज्ञान,
बढ़ता है जीवन का मान.
सपनों को देती हैं उड़ान,
बनाती हैं हमको महान.

कभी विज्ञान, कभी इतिहास,

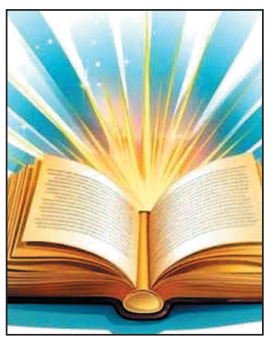

हर विषय में इनका वास.
हँसना, सीखना और समझना,
जीवन को सुंदर-सा गढ़ना.
मोबाइल से थोड़ा समय निकालो,
रोज़ किताबों को भी संभालो.
पढ़ने की आदत जो अपनाए,
वह जीवन में आगे बढ़ जाए.

जानकारी

ऑक्टोपस : समुद्र का सबसे बुद्धिमान जीव

ऑक्टोपस समुद्र में रहने वाला एक अत्यंत रोचक और बुद्धिमान जीव है. यह मोलस्क वर्ग का सदस्य है और इसके आठ भुजाएं (टेंटेकल) होती हैं, जिन पर सैकड़ों सक्शन कप लगे रहते हैं. इन्हीं की सहायता से यह शिकार पकड़ता है और समुद्र की सतहों पर आसानी से चल सकता है. ऑक्टोपस पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान अकशेरुकी जीवों में गिना जाता है.

यह समस्याओं को हल करने, चीजों को पहचानने और परिस्थितियों के अनुसार व्यवहार बदलने की क्षमता रखता है. कई प्रयोगों में ऑक्टोपस को जार खोलते और भूलभुलैया से रास्ता निकालते हुए देखा गया है. खतरा महसूस होने पर ऑक्टोपस अपने शरीर से काली स्याही छोड़ता है, जिससे शत्रु भ्रमित हो जाता है और उसे भागने का मौका मिल जाता है. इसकी एक और अद्भुत विशेषता यह है कि यह अपने शरीर का रंग और आकार बदल सकता है. इस क्षमता की मदद से यह समुद्री वातावरण में आसानी से छिप जाता है. ऑक्टोपस की लगभग 300 से अधिक प्रजातियां दुनिया के महासागरों में पाई जाती हैं. हालांकि इनकी आयु बहुत कम होती है और अधिकांश प्रजातियां केवल 1 से 5 वर्ष तक ही जीवित रहती हैं. इसके बावजूद अपनी बुद्धिमत्ता और अनोखी क्षमताओं के कारण यह वैज्ञानिकों के लिए हमेशा आकर्षण का विषय बना रहता है.

बूझो तो जानें

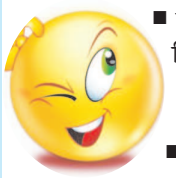

- ऐसी कौन-सी चीज़ है,
  जिसके पास दाँत बहुत,
  पर कभी खाना नहीं खाती?
  उत्तर - कंघी
- एक पैर पर खड़ा रहता,
  सबको छाया देता जाता,
  धूप-बारिश में साथ निभाता,
  बताओ वह क्या कहलाता?
  उत्तर - छाता
- न हाथ हैं, न पैर हैं,
  फिर भी चलता जाता हूँ,
  समय बताकर हर पल सबको
  काम पर लगवाता हूँ.
  उत्तर - घड़ी
- काला मेरा रंग है भाई,
  उजियारा मैं फैलाऊँ,
  जलते ही मैं छोटा होता,
  फिर भी सबको राह दिखाऊँ.
  उत्तर - मोमबत्ती

हंसी-ठिठोली

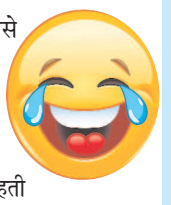

- टीचर: बताओ, सबसे मेहनती विद्यार्थी कौन होता है?
  बच्चा: पेंसिल!
  टीचर: वो कैसे?
  बच्चा: दिनभर लिखती रहती है, कभी शिकायत नहीं करती.
- मम्मी: बेटा, जल्दी उठ जाओ, सूरज निकल आया है.
  बेटा: तो उसे कहो थोड़ा धीरे निकले, मेरी नींद अभी बाकी है.
- टीचर: अगर तुम्हारे पास 10 टॉफियाँ हों और मैं 5 ले लूँ, तो क्या बचेगा?
  बच्चा: झगड़ा!
- पापा: पढ़ाई कैसी चल रही है?
  बेटा: पापा, पढ़ाई तो ठीक चल रही है, बस नंबर रास्ता भूल जाते हैं.
- टीचर: बताओ, दुनिया का सबसे तेज़ क्या है?
  बच्चा: स्कूल की छुट्टी की घंटी... बजते ही सब दौड़ पड़ते हैं.

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स, लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com पर मेल करें.

Chola Enter a better life
चोलमंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड
कॉर्पोरेट ऑफिस: "चोला क्रेस्ट", C54 और 55, सुपर B-4, तिरु वी का इंडस्ट्रियल एस्टेट, गिंडी, चेन्नई-600032

कब्जे का नोटिस (नियम 8 (1) (अचल संपत्ति के लिए)

मैं, M/s चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड का अधिकृत अधिकारी, 'सिक्योरिटाइज़ेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002' के तहत और 'सिक्योरिटी इंटरेस्ट एनफोर्समेंट रूल्स, 2002' के नियम 3 के साथ पढ़े जाने वाले सेक्शन 13 [2] के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, उधारकर्ता/सह-उधारकताओं **1. मेसर्स ओम साई फ्रूट भंडार, (उधारकर्ता), 2. श्री विजय वर्मा, (सह-उधारकर्ता), 3. श्रीमती त्रिलोक वर्मा, (सह-उधारकर्ता), 4. श्रीमती मनीषा वर्मा, (सह-उधारकर्ता)** को **18.03.2026** (लोन अकाउंट नंबर TL01IND0000065573) को एक डिमांड नोटिस जारी किया था। इसमें उन्हें नोटिस में बताई गई रकम **17.03.2025** तक **₹ 1,03,85,190/- (एक करोड़ तीन लाख अस्सी-पांच हजार एक सौ नब्बे रुपये मात्र)** और उसके बाद का ब्याज और शुल्क, नोटिस मिलने की तारीख से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था।

उधारकर्ता/सह-उधारकताओं द्वारा रकम न चुका पाने के कारण, उधारकर्ता/सह-उधारकताओं और आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैंने, एक्ट के सेक्शन 13 के सब-सेक्शन (4) और 'सिक्योरिटी इंटरेस्ट एनफोर्समेंट रूल्स, 2002' के नियम 8 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, नीचे बताई गई संपत्ति का कब्जा ले लिया है **जुलाई 2026 का दिन 14 तारीख.**

उधारकर्ता/सह-उधारकताओं का ध्यान एक्ट के सेक्शन 13 के सब-सेक्शन (8) के प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है, जो सुरक्षित संपत्ति को छुड़ाने (रिडीम करने) के लिए उपलब्ध समय के बारे में है। उधारकर्ता/सह-उधारकताओं और आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि वे इस संपत्ति के संबंध में कोई लेन-देन न करें; संपत्ति के साथ किया गया कोई भी लेन-देन **M/s चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड** के ₹ 1,03,85,190/- **(रु.एक करोड़ तीन लाख अस्सी-पांच हजार एक सौ नब्बे मात्र)** (17.03.2025 तक) के चार्ज (दावे) के अधीन होगा।

अचल संपत्ति का विवरण

प्लॉट/मकान नंबर 11, भगवान नगर कॉलोनी, गांव बड़गांव, तहसील और जिला बड़वानी प्लॉट एरिया 1000 sq.ft. (92.93 sq.mtr.) इस तरह घिरा हुआ है:- पूरब: कॉलोनी रोड, पश्चिम: प्लॉट नंबर 14, उत्तर: प्लॉट नंबर 10, दक्षिण: प्लॉट नंबर 12

दिनांक: 18.07.2026
स्थान: बड़वानी

अधिकृत अधिकारी
मेसर्स चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड

Chola Enter a better life
चोलामंडलम निवेश और वित्त कंपनी लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय: चोला क्रेस्ट, सुपर बी, सी54 और सी55, 4, थिरु वी का इंडस्ट्रियल एस्टेट, गिण्डी, चेन्नई-600 032

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना

आपको, नीचे उल्लिखित उधारकर्ता / सह-उधारकताओं को सूचित किया जाता है कि कंपनी ने आपके खिलाफ प्रतिभूतिकरण और वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन के तहत कार्यवाही शुरू की है और आपको पंजीकृत डाक द्वारा अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत नोटिस भेजा गया है। उधारकर्ता/उधारकताओं के लिए देय राशि बिना वितरित किए वापस आ गई है। इसलिए, आपको इस प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस लेने और उक्त खाते के खिलाफ उल्लिखित बकाया ऋण राशि का भुगतान ब्याज के साथ करने के लिए कहा जाता है, जिसमें विफल रहने पर कंपनी ब्याज और लागतों के साथ अपने बकाये की वसूली के लिए नीचे उल्लिखित सुरक्षा को लागू करके अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहतअपने अधिकार का प्रयोग करके आपके खिलाफ आगे बढ़ेगी। यह उल्लेख करना अनावश्यक है।

स. क्र.	ऋण खाता संख्या और नाम और उधारकर्ता/सह-उधारकताओं का पता	ऋण राशि	मांग नोटिस की तिथि और बकाया राशि
1.	**ऋण संख्या: PR00038805, TL01IND00000058779** **1. न्यू महाकाली ढाबा और रेस्तरां, (उधारकर्ता)** वार्ड क्रमांक 15 बड़वाह धामनोद गौशाला के सामने महेश्वर पश्चिमी निमाड़, मध्य प्रदेश- 451224 मोबाइल नंबर: 9691916222 **2. बलराम सो संतोष, (सह उधारकर्ता)** महार मोहल्ला, महेश्वर, खरगोन पश्चिम निमाड़, मध्य प्रदेश, 451224, मोबाइल नंबर: 9691916222 **3. पूजा साल्वे, (सह-उधारकर्ता)** महार मोहल्ला, महेश्वर खरगोन, पश्चिम निमाड़, महार मोहल्ला, मध्य प्रदेश- 451224 मोबाइल नंबर: 7987710483	₹ 60,84,000.00/- ₹ 82,50,000.00/-	13.07.2026 और ₹ 1,27,93,757.00/- 13.07.2026 तक साथ में अतिरिक्त ब्याज और शुल्क। एनपीए दिनांक : 05.07.2026

अचल संपत्ति का विवरण: मकान - संपत्ति संख्या-1: प्रॉपर्टी -1- रिहायशी मकान नंबर 101, वार्ड नंबर 15, महर मोहल्ला, तहसील महेश्वर, जिला खरगोन का पूरा हिस्सा; कुल क्षेत्रफल 532 वर्ग फुट (49.44 वर्ग मीटर), **सीमाएं इस प्रकार हैं: पूर्व:** रामू (पिता मोटिया) का मकान, **पश्चिम:** रास्ता, **उत्तर:** रास्ता, **दक्षिण:** रामू (पिता मोटिया) का मकान। **संपत्ति संख्या-2:** गांव गवला, पटवारी हल्का नंबर 19, ग्राम पंचायत महेतवाड़ा, तहसील महेश्वर, जिला खरगोन में सर्वे नंबर 140/3 वाली ज़मीन का पूरा हिस्सा। कुल क्षेत्रफल 1.011 हेक्टेयर, **सीमाएं इस प्रकार हैं: पूर्व:** कच्चा रास्ता, **पश्चिम:** मांगीबाई (स्वर्गीय बाबूलाल की पत्नी) की ज़मीन, **उत्तर:** सरकारी ज़मीन, **दक्षिण:** अन्य ज़मीन।

दिनांक : 18.07.2026
स्थान : खरगोन

प्राधिकृत अधिकारी,
चोलामंडलम निवेश और वित्त कंपनी लिमिटेड के लिए